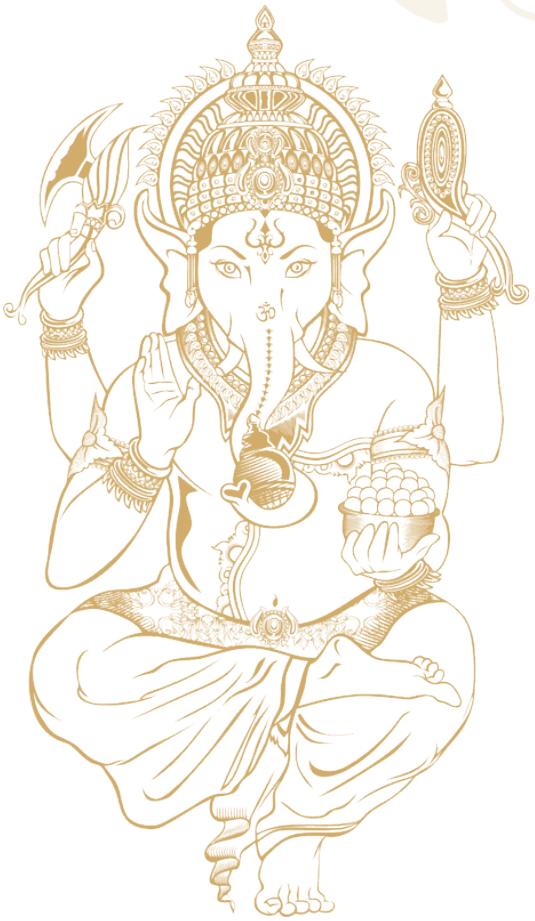

Liladhar

Revati

Model: Horoscope-Matching **Order No: 120853801**

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120853801 Date: 07/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/06/1995	जन्म तिथि	20/04/2000
मंगळवार	दिवस	गुरुवार
कला 08:50:00	जन्म समय	11:05:00 कला
घटी 07:02:13	जन्म समय(घटी)	11:57:03 घटी
India	देश	India
Raigarh	स्थान	Nasik
18:36:00 उत्तर	अक्षांश	20:00:00 उत्तर
72:54:00 पूर्व	रेखांश	73:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
कला -00:38:24	स्थानिक संस्कार	-00:34:32 कला
कला 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 कला
06:01:06	सूर्योदय	06:12:59
19:12:56	सूर्यास्त	18:54:12
23:47:45	लाहिरी अयनांश	23:51:24

मिथुन	लग्न	मिथुन
बुध	लग्न लग्नाधिपति	बुध
सिंह	राशि	तुला
रवि	राशि–स्वामी	शुक्र
पू.फाल्गुनी	नक्षत्र	विशाखा
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	गुरु
2	चरण	2
वज्र	योग	सिद्धि
विष्टि	करण	तैतिल
टा–तरुण	जन्म नामाक्षर	तू–तुष्टि
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृषभ
क्षत्रिय	वर्ण	शूद्र
वनचर	वश्य	मानव
उंदीर	योनि	व्याघ्र
मनुष्य	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
श्वान	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 13वर्ष 6मा 9दि		28:59:19	मिथु		लग्न		मिथु	19:57:11	गुरु 11वर्ष 1मा 5दि	
मंगळ		21:11:22	वृष		सूर्य		मेष	06:35:15	शनि	
14/12/2024		17:38:58	सिंह		चंद्र		तुला	24:05:04	27/05/2011	
15/12/2031		11:36:09	सिंह		मंगळ		मेष	26:32:32	26/05/2030	
मंगळ	12/05/2025	19:49:07	वृष	व	बुध		मीन	17:46:52	शनि	30/05/2014
राहु	31/05/2026	16:07:36	वृश्चि	व	गुरु		मेष	19:45:46	बुध	06/02/2017
गुरु	07/05/2027	00:40:59	वृष		शुक्र		मीन	22:44:11	केतु	17/03/2018
शनि	15/06/2028	00:12:13	मीन		शनि		मेष	23:57:23	शुक्र	17/05/2021
बुध	12/06/2029	10:59:16	तुला	व	राहु	व	कर्क	04:59:22	रवि	29/04/2022
केतु	08/11/2029	10:59:16	मेष	व	केतु	व	मक	04:59:22	चन्द्र	28/11/2023
शुक्र	08/01/2031	06:16:41	मक	व	हर्ष		मक	26:28:05	मंगळ	06/01/2025
रवि	16/05/2031	01:21:47	मक	व	नेप		मक	12:37:30	राहु	13/11/2027
चन्द्र	15/12/2031	04:59:08	वृश्चि	व	प्लूटो	व	वृश्चि	18:42:18	गुरु	26/05/2030

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:45 लाहिरी अयनांश **23:51:24**

लग्न–चलित

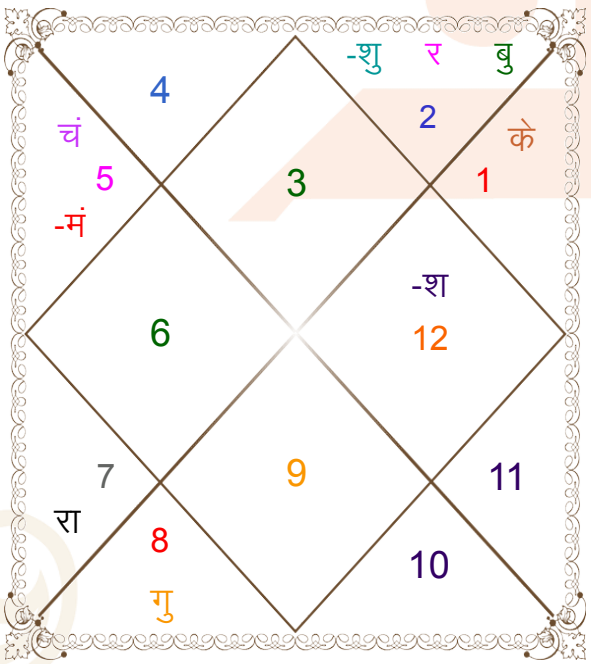

लग्न–चलित

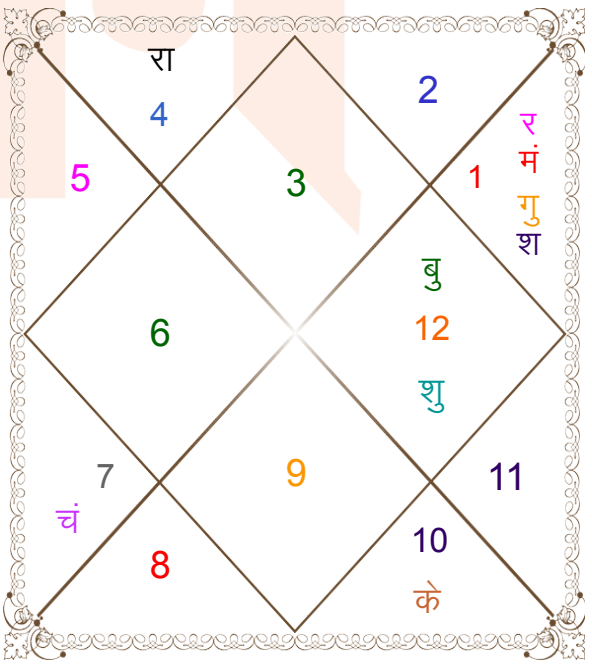

Kalsarp dosh nivaran kendra
Trimbakeshwar,nashik 42212
8975926418 , 9284065608
kalsarpnivaranpuja@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	——	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	——	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	——	भाग्य
योनि	उंदीर	व्याघ्र	4	2.00	——	यौन विचार
मैत्री	रवि	शुक्र	5	0.00	——	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	आह	सामाजिकता
भकूट	सिंह	तुला	7	7.00	——	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	——	स्वास्थ्य / संतान
एकुण :			**36**	**19.50**		

एकुण : **19.5 / 36**

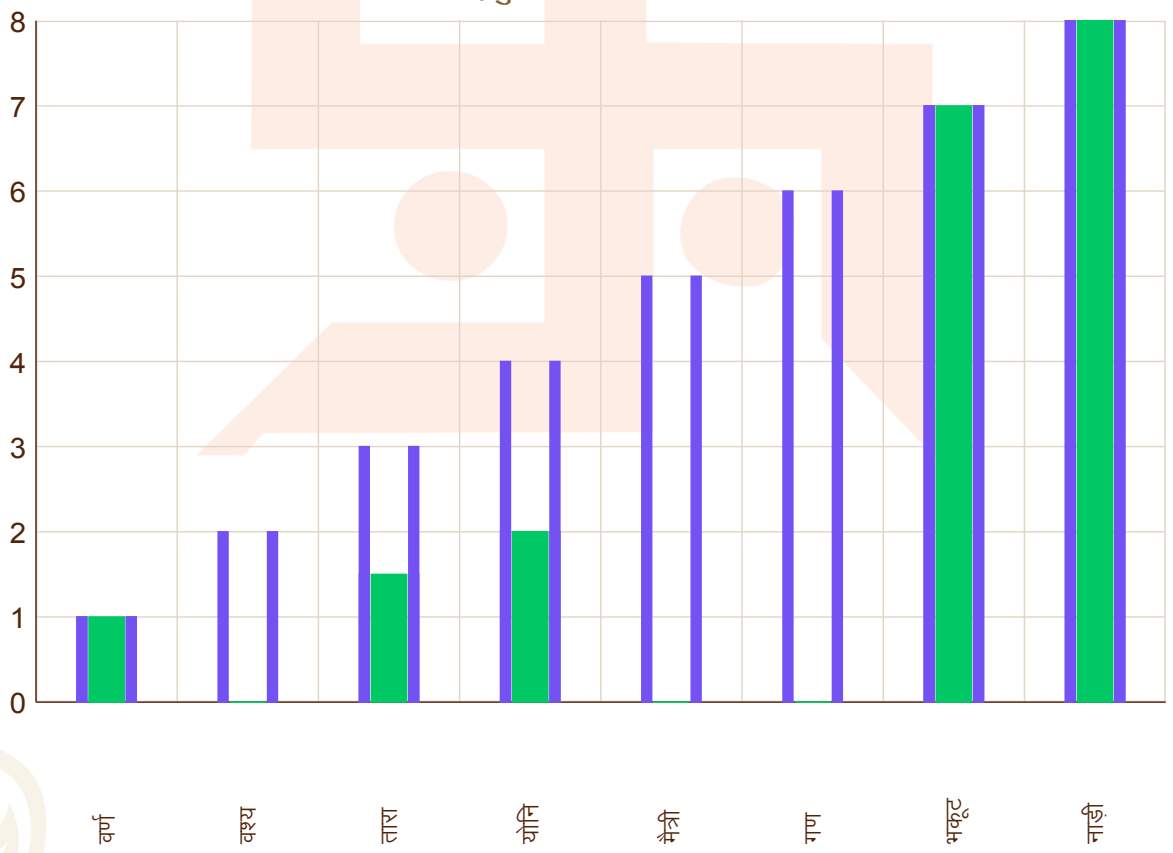

Kalsarp dosh nivaran kendra
Trimbakeshwar,nashik 42212
8975926418 , 9284065608
kalsarpnivaranpuja@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नाहीं है।

स्पसंकींत का वर्ग श्वान है तथा त्मअंजप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार स्पसंकींत और त्मअंजप का मिलान सरासरी है।

मंगलीक दोष मिलान

स्पसंकींत मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्मअंजप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

स्पसंकींत तथा त्मअंजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

स्पसंकींत का वर्ण क्षत्रिय तथा त्मअंजप का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाव से त्मअंजप वैश्विक मां की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा सभी की देखभाल तथा सेवा बिना थके, बिना शिकायत किये करती रहेगी। साथ ही परिवार के किसी भी सदस्य अथवा स्पसंकींत से कभी तर्क-वितर्क नहीं करेगी। अपने इसी आतिथ्य भाव के कारण सभी की प्रशंसा का पात्र बनेगी।

वश्य

स्पसंकींत का वश्य वनचर है एवं त्मअंजप का वश्य द्विपद (मनुष्य) है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। वनचर मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु होता है तथा जब भी मौका मिलता है वनचर मनुष्य पर आक्रमण कर उसे मारकर खा जाता है। इसी प्रकार वैवाहिक संबंधों में भी दोनों एक-दूसरे के लिए शत्रु साबित होंगे। स्पसंकींत और त्मअंजप के के बीच अक्सर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहेगा। दोनों समय समय पर एक दूसरे का अपमान करते रहेंगे। एक दूसरे की परवाह भी कम ही करेंगे। दोनों अक्सर लड़ाई-झगड़ा, एक-दूसरे पर वार एवं अपमान करते रहेंगे। जिससे परिवार की सुख-शांति भंग हो सकती है। ऐसी स्थिति में संतान भी अति क्रोधी, असामाजिक एवं अमानवीय व्यवहार करने वाले हो सकती है।

तारा

स्पसंकींत की तारा प्रत्यरि तथा त्मअंजप की तारा साधक है। स्पसंकींत की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत स्पसंकींत कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप त्मअंजप को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

स्पसंकींत की योनि उंदीर है तथा त्मअंजप की योनि व्याघ्र है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध

संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में स्पसंकींत एवं त्मअंजप दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अत्यधिक बुरा मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि में यदि दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हों तो इसे अत्यधिक बुरा मिलान माना जाता है। जिसके कारण स्पसंकींत एवं त्मअंजप के बीच किसी प्रकार का प्रेम नहीं रहेगा तथा दोनों में काफी वैचारिक भिन्नता, तनाव, झगड़ा, मुकदमेबाजी यहां तक कि तलाक आदि की स्थिति भी बन सकती है। परिवार में शांति एवं सौहार्दता के अनुपस्थित रहने के कारण घर में हमेशा पैसे का अभाव बना रह सकता है तथा अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी स्पसंकींत दवं त्मअंजप को काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। इनके बच्चे अयोग्य, बात नहीं सुनने वाले तथा जीवन में काफी हद तक असफल होते हैं।

गण

स्पसंकींत का गण मनुष्य तथा त्मअंजप का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः त्मअंजप का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण स्पसंकींत एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

स्पसंकींत से त्मअंजप की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा त्मअंजप से स्पसंकींत की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण स्पसंकींत अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर त्मअंजप सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र

में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

स्पसंकींत की नाड़ी मध्य है तथा त्मअंजप की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण स्पसंकींत एवं त्मअंजप के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

स्पसंकींत आणि त्मअंजप ची परस्पर अग्नि तत्व युक्त सिंह राशि आणि वायु तत्व युक्त तुळा राशि आहे. अग्नि तत्व आणि वायु तत्व मधीं परस्पर समानता आहे. अतः स्पसंकींत आणि त्मअंजप मधीं स्वाभाविक समानता रहणारी पण समय–समय वर मतभेद उत्पन्न होणारे. अतः हा मिळान मध्यम आहे.

स्पसंकींत आणि त्मअंजप चा परस्पर राशि स्वामी सूर्य आणि शुक्र आहे. हा परस्पर शत्रु आहे अतः दोघांची मतभेद रहणार आणि पूर्ण विरोध रहणार. तसेच अहंकार आणि मत्सर उत्पन्न होणार. आणि परस्पर एक–दुसरे ची उपेक्षा आणि करणारे. अतः एक–दुसरे साठी सहयोग नाय भेंटणार आणि स्पसंकींत कधीं–मधीं मानसिक अशान्ती अनुभव करणारें.

स्पसंकींत आणि त्मअंजप ची राशि परस्पर तिसरे आणि अखारवे भावात आहे हा शुभ भकूट आहे. अतः परस्पर मतभेद कम होणार आणि प्रेम भावना उत्पन्न होणारी आणि सांसारिक सुख भेंटणार. इच्छित धनार्जन होणार तसेंच कुटुम्विक सुख सुविधा साठी खर्च करणारे. स्पसंकींत ची बाहेर फेर–फटके ची संवय आणि इच्छा पासून वैवाहिक जीवन सुखी नाय रहणार.

स्पसंकींत चा वश्य वनचर आणि त्मअंजप चा वश्य मानव आहे. वनचर आणि मानव मधीं परस्पर असमानता आणि शत्रुता आहे. ह्या साठी परस्पर मतभेद रहणार आणि शारीरिक, मानसिक, आणि भावनात्मक च परस्पर वेगळी होणारी. अतः काम सम्बन्ध एक–दुसरे ला संतुष्ट आणि प्रसन्न ठेवाय साठी असमर्थ रहणारे.

स्पसंकींत चा वर्ण क्षत्रिय आहे. अतः आपण साहसी पराक्रमी माणूष होणारे. तसेच त्मअंजप चा वर्ण शूद्र आहे हा प्रभाव पासून ते कर्तव्य पारायण होणारी तसेच कोणी पण कार्य साठी तयार रहणारी आणि च प्रदर्शन क कार्य सफळ करणारी.

धन संबंधी

स्पसंकींत आणि त्मअंजप दोघांची तारा परस्पर सम आहे अतः आर्थिक स्थिति वर कोणी विशेष प्रभाव नाय होणार तसेंच धन आणि लाभ आर्जित करण्या साठी दोन्ही समर्थ होणारे. स्पसंकींत आणि त्मअंजप दोघांची राशि परस्पर तिसरे आणि अखारवे भावात आहे, हा भकूट शुभ आहे, ज्यापासून धनार्जन साठी सफल होणारे पण मंगळ शुभ प्रभाव पासून उचित धन प्राप्त क न आर्थिक स्थित चांगली ठेवणारे.

स्पसंकींत आणि त्मअंजप ला आई वडीलां ची सम्पत्ति प्राप्त होणारी तसेंच परिश्रम योग्यता आणि स्वतः ची योग्यता पासून उन्नति करण्या साठी सफळ होणारे. ह्या प्रकारी ते चांगला सामाजिक जीवन व्यतीत करण्या साठी सफळ होणारे तसेंच मिळकत वृद्धी होणारी. स्पसंकींत आणि ला लाटरी, मटका–वगेरे पासून एका–एकी धन लाभ चा योग आहे. अतः या

मधीं धन लाभ होऊ सकतो ह्या प्रकारी धन ऐश्वर्य पासून सुख भेंटणार आणि सफळता भेंटणारी.

स्वास्थ्य

स्पसंकींत ची नाड़ी मध्य आणि त्मअंजप ची नाड़ी अन्त्य आहे. अतः दोघांची वेगळी नाड़ी होण्या मुळे नाड़ी दोष नाय आहे. ह्या प्रभाव पासून स्पसंकींत आणि त्मअंजप ला स्वास्थ्य उत्तम रहणार तसेच परिश्रम आणि पराक्रम पासून सांसारिक आणि महत्वपूर्ण कार्य आपले समया वर करण्या साठी समर्थ रहणारे. ह्या पासून दम्पती जीवन मधीं प्रसन्नता आणि संतुष्टि रहणारी. मंगळ पण स्वास्थ्य वर कोणी दुष्प्रभाव नाय करणार. अतः दम्पती जीवन व्यतीत करण्या साठी हा मिळान अनुकूळ आणि उत्तम रहणार तसेच स्पसंकींत आणि त्मअंजप सुखी आणि आनंद युक्त जीवन व्यतीत करणारे.

सन्तान

स्पसंकींत आणि त्मअंजप चा हा मिळान संतति प्राप्ति साठी उत्तम रहणार ह्या प्रभाव पासून उचित समय वर संतति प्राप्त होणारी तसेंच संतति प्राप्त करण्या साठी जास्ती उशीर पण नाय होणार. संतति जन्म मधीं सामान्य अंतर रहणार ज्यापासून संतति पालन–पोषण करण्या साठी समर्थ रहणारी तसेंच स्पसंकींत आणि त्मअंजप ला मुलगा आणि मुलगी समान संख्या मधीं होणारी. त्मअंजप चा प्रसव सामान्य होणार तसेंच या मधीं कोणी त्रास पण नाय उत्पन्न होणार आणि प्रसूति सम्बन्धातील चिकित्सा ची आवश्यकता पण नाय होणारी. अतः त्मअंजप ला नेहमी अनावश्यक चिंता रहणारी त्मअंजप ला असी चिंता नाय कराय ला पाहिजे नेहमी गर्भावस्था मधीं रोगोपचार सम्बन्धी तपास कराय ला पाहिजे.

ह्या प्रकारी त्मअंजप चांगुल स्वस्थ्य आणि आकर्षक संतति ला जन्म देवाय साठी सफळ होणारी तसेंच स्वतः पण स्वस्थ्य आणि शान्ति अनुभव करणारी. स्पसंकींत आणि त्मअंजप ची संतति व्यवहार कुशळ आणि आई वडीलां साठी आज्ञाकारी रहणारे तसेंच आपले संतति पासून दोन्ही संतुष्टि आणि आनंद अनुभव करणारे तसेंच कार्य क्षेत्र मधीं पण स्वतः परिश्रम, योग्यता आणि बुद्धिमता पासून उन्नति करणारे. चांगुळ कार्य पासून स्पसंकींत आणि त्मअंजप स्वतः ला भाग्यवान समझणारे. यांची संतति, कधीं पण असे कार्य नाय करणारे ज्यापासून आई वडीलां साठी त्रास उत्पन्न होणार. ह्या प्रकारी चांगुल, आज्ञाकारी, बुद्धिमान संतति युक्त होउन स्पसंकींत आणि त्मअंजप ला कुटुम्बिक जीवन सुख शान्ती युक्त व्यतीत होणार.

ससुराल–सुश्री

सासुर वाड़ी पासून त्मअंजप चा चांगला सम्बन्ध होणार तसेंच इतर लोकांपेक्षा सासू पासून मधुर सम्बन्ध रहणार. लग्न होण्या नंतर त्मअंजप खूप धैर्य बरोबर कार्य आणि समन्वय वर काळजी ठेवणारी. हा धैर्य त्मअंजप चा भविष्य साठी–अनुकूळ सफळता देणार.

सासरा पासून समन्वय ठेवाय साठी कोणी त्रास नाय होणारी आणि स्वतः ची

चांगुल आणि मधुर गोष्ठी पासून विस्वास स्थापित करण्या साठी समर्थ होणारी. ह्या प्रकारी मित्रता भावना पासून दोर आणि मेव्हणी पासून अनुकूल सम्बन्ध स्थापित करणारी तसेंच सहयोग भावना रहणारी आणि सासुर वाड़ी पासून त्मअंजप ला पूर्ण स्नेह आणि सहयोग भेंटणार तसेंच प्रसन्नता युक्त सर्व लोकांचा स्वातात आणि स्नेह प्राप्त करणारी.

ससुराल–श्री

स्पसंकींत आपली सासू पासून मधुर सम्बन्ध ठेवणारे आणि परस्पर प्रेम भावना रहणारी आणि नेहमी प्रेम वृद्धी होणार. स्पसंकींत सासू ला आई सारख्या समझणारे आणि सम्मान देवाण–घेवाण करणारे. तसेंच सेवा आणि सुख सुविधा ची काळजी ठेवणारे. आणि समय–समय वर बायको बरोबर सासुर वाड़ी आणा–जाणा करणारे आणि नेहमी मधुर सम्बन्ध ठेवणारे.

सासरा पासून पण स्पसंकींत चा मधुर सम्बन्ध रहणार तसेंच सासरा वर विशेष स्नेह रहणार आणि आपले स्वतः कार्य सम्बन्धी मित्रता भावना रहणारी तसेंच एक–दुसरे ची समज चांगली होणारी तसेंच साला आणि साली बरोबर पण मधुर सम्बन्ध रहणार आणि एक–दुसरे ला सहयोग करणारे. ह्या प्रकारी सासुर वाड़ी चा सर्व लोकां पासून सहयोग होणार आणि स्पसंकींत नेहमी सम्मान प्राप्त करण्या साठी समर्थ रहणारे आणि चांगले व्यहार पासून खुश आणि संतुष्ट रहणारे.